अरे, जैसे, ओह और हम शब्दों से डूब जाता है मैनेजमेंट : सिंह

आइआइएम रायपुर में एक्सप्रेस टू इंप्रेस पर हुई कार्यशाला

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

अखिल भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में पब्लिक स्पीकिंग क्लब के तत्वावधान में एक्सप्रेस टू इंप्रेस विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। बतौर विशेषज्ञ टेडेक्स से आए हरसिमरन सिंह ने छात्रों को मैनेजमेंट के गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि द थॉट फाउंडेशन के संस्थापक रहते हुए न्यूरो–लैंग्वेस्टिक प्रोग्रामिंग और कोचिंग की तकनीकों का उपयोग करके लोगों में सकारात्मक मैनेजमेंट की शुरुआत की। शैक्षणिक संस्थानों और निगमों जैसे रिलायंस, एचयूएल व अन्य संस्थानों में 12,600 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया। सभी लोगों को चार शब्दों से बचने की सलाह दी। अरे, जैसे, ओह और हम इन शब्दों को छोड़ने के बाद ही आप सफल मैनेजमेंट कर सकते हैं। अन्यथा आपका मैनेजमेंट डूब जाएगा।

आइआइएम में आए अतिथि छात्रों को मैनेजमेंट के गुर बताते हुए।

सिंह ने छात्रों को बताया कि मैनेजमेंट की पहली सफलता होती है पब्लिक स्पीकिंग के डर पर काबू पाना। पहला कदम सफल होते ही आपका मैनेजमेंट सफल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नेस्ले जैसी कंपनी में मोटी सैलरी मिलने के बाद भी मैंने नौकरी छोड़ दी ताकि दूसरों के पब्लिक स्पीकिंग के डर को दूर करने और आत्मविश्वास विकसित करने में मदद करने के जुनून का एहसास कर सकूं। इसके लिए मैनें द थॉट फाउंडेशन की स्थापना की। उसमें प्रभावी बॉडी लैंग्वेज के महत्व और पावर मुद्राओं के माध्यम से आत्मविश्वास का निर्माण करने के बारे में बताते आ रहा हूं।

Naidunia 31st Jan 2019, P. 8